वार्षिक प्रतिवेदन

2019-2020

Estd. 1965

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्मारक
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) - 177 005

वार्षिक प्रतिवेदन -2019-2020

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्मारक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर (हि0 प्र0)

राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर, चन्द्रवंशी राजा हमीर चंद की नगरी हमीरगढ़ में स्थित है। मात्र 165 विद्यार्थियों व 14 प्राध्यापकों से आरम्भ हुए इस महाविद्यालय का नामकरण 1995 में, भारत माता के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर क्रान्तिकारी नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के नाम से किया गया। यह महाविद्यालय प्रदेश व देश में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थानों में विशेष महत्त्व रखता है। इस महाविद्यालय का व्यक्तित्त्व निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण में अपना अनमोल योगदान रहा है। महाविद्यालय ने 54 वर्षों की अवधि में उन्नति के बहुआयाम स्थापित किए हैं। वर्तमान में **61** प्राध्यापकों तथा **4510** विद्यार्थियों सहित यह संस्थान विकासात्मक गतिविधियों के क्षेत्र में प्रदेश में अपना वर्चस्व कायम किए हुए एक आर्दश संस्थान है। पुस्तकालय का स्वचालन, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान प्रयोगशालाएं एवं खेलकूद के क्षेत्र में इन्डोर स्टेडियम जैसी सुविधाएं भी इस महाविद्यालय ने छात्रों को प्रदान की हैं।

महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय में विश्वविद्यालय शिमला द्वारा अनुमोदित विभिन्न पाठ्यक्रम चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त बी. सी. ए., पी. जी. डी. सी. ए., बी. बी. ए., बी. वॉक जैसे डिग्री व डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। इसी वर्ष 2019–20 में वनस्पति विज्ञान व प्राणी विज्ञान में सरकार व प्रदेश विश्वविद्यालय की अनुमति से एम. एससी. कक्षाएं भी प्रारम्भ की गई।

छात्र नामांकन 2019–2020

क्रम सं.	संकाय	छात्र	छात्राएं	कुल सं.
1.	कला संकाय	601	930	1531
2.	विज्ञान संकाय	725	1016	1741
3.	वाणिज्य	187	221	408
4.	एम. एससी. गणित	11	63	74
5.	एम. एससी. वनस्पति विज्ञान	03	17	20
6.	एम. एससी. प्राणी विज्ञान	06	14	20

7.	एम. ए. अंग्रेजी	11	30	41
8.	एम. ए. हिन्दी	02	55	57
9.	एम. ए. अर्थशास्त्र	06	49	55
10.	एम. कॉम.	29	34	63
11.	बी. बी. ए.	106	51	157
12.	बी. सी. ए.	90	25	115
13.	पी. जी. डी सी. ए.	06	24	30
14.	बी. वॉक. रिटेल	62	30	92
15.	बी. वॉक. हॉस्पिटैलिटी	68	38	106
कुल		**1913**	**2597**	**4510**

प्राध्यापक वर्ग :-

महाविद्यालय में प्राध्यापकों के 61 पद सृजित हैं, जिनमें से 59 पद भरे हैं। इस वर्ष 14 अगस्त, 2019 को मैंने (डॉ. अंजू बत्ता सहगल) राजकीय महाविद्यालय भोरंज से स्थानान्तरित होकर इस महाविद्यालय में प्राचार्य के पद पर अपनी सेवा आरम्भ की। डॉ. अमरजीत लाल, डॉ. प्रकाश गौतम, डॉ. प्रीती सैलूजा, श्री अजय कुमार, श्रीमती रूची सांगंल, श्रीमती सपना राणा, डॉ. ज्योत्सना, श्री सुरेन्द्र कुमार, डॉ. सुभाष वर्मा, तथा श्री सुनील पाठक विभिन्न महाविद्यालयों से स्थानान्तरित होकर इस महाविद्यालय में आए। श्री राकेश कुमार ने इतिहास विभाग में प्रथम नियुक्ति इस महाविद्यालय में पाई।

दूसरी ओर प्राचार्य डॉ. एच. एस. जम्वाल, डॉ. सपना शर्मा, श्री सुरेन्द्र ठाकुर, श्रीमती शैली पारूल, डॉ. कृष्ण लाल, श्री सुनील पाठक, श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती बविता सुमन, डॉ. जी. सी. राणा और श्रीमती नीतिका इस महाविद्यालय से स्थानान्तरित होकर अन्य महाविद्यालयों में गए। हिन्दी विभाग के डॉ. प्रीतम चन्द राजकीय महाविद्यालय भोरंज में प्रतिनियुक्ति पर गए हैं।

गैर शिक्षकवर्ग – कर्मचारियों के महाविद्यालय में 38 पद सृजित हैं, जिनमें से 26 पद भरे हैं। इस वर्ष श्री सतरदीन सहायक लाईब्रेरियन और श्री तारा चंद एस. एल. ए. अन्य संस्थान से स्थानान्तरित होकर इस महाविद्यालय में आये। श्री विक्रान्त ने जे. ओ. ए. के पद पर तथा श्रीमती कुसुम शर्मा ने सेवादार के पद पर प्रथम नियुक्ति पाई। श्री रसीद अहमद पोसवाल यहाँ से स्थानान्तरित होकर गए। श्री तारा चन्द एस. एल. ए. ने 31 जनवरी, 2020 को ऐच्छिक सेवानिवृत्ति ली।

विश्वविद्यालय परीक्षा परिणाम (2019 – 2020)

अध्ययन – अध्यापन में गंभीरता एवं गतिशीलता के कारण महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम भी

आशानुरुप रहता है। विश्वविद्यालय द्वारा मई–जून 2019 में आयोजित सत्रांत (रूसा) परीक्षाओं में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम अत्युत्तम रहे हैं।

क्रम संख्या	कक्षा	कुल विद्यार्थी	परिणाम घोषित	उत्तीर्ण टिप्पणी
1.	कला स्नातक प्रथम वर्ष	811	309	(309) पास
2.	कला स्नातक तृतीय सत्र	336	278	(278) पास
3.	कला स्नातक पंचम सत्र	394	203	(192) पास
4.	विज्ञान स्नातक प्रथम वर्ष	915	407	(407) पास
5.	विज्ञान स्नातक तृतीय सत्र	425	370	(370) पास
6.	विज्ञान स्नातक पंचम सत्र	295	263	(241) पास
7.	वाणिज्य स्नातक प्रथम वर्ष	140	125	(125) पास
8.	वाणिज्य स्नातक तृतीय सत्र	128	99	(99) पास
9.	वाणिज्य स्नातक पंचम सत्र	110	68	(68) पास
10.	बी. बी. ए. प्रथम सत्र	48	14	(14) पास
11.	बी. बी. ए. तृतीय सत्र	44	19	(19) पास
12.	बी. बी. ए. पंचम सत्र	48	48	(48) पास
13.	बी. सी. ए. प्रथम सत्र	38	20	(20) पास
14.	बी. सी. ए. तृतीय सत्र	39	32	(32) पास
15.	बी. सी. ए. पंचम सत्र	28	17	(17) पास
16.	एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र	38	29	(20) पास
17.	एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र	29	29	(29) पास
18.	एम. ए. अंग्रेजी प्रथम सत्र	25	18	(18) पास
19.	एम. ए. अंग्रेजी तृतीय सत्र	23	19	(19) पास
20.	एम. कॉम. प्रथम सत्र	30	30	(30) पास
21.	एम कॉम तृतीय सत्र	28	28	(28) पास
22.	एम. ए. अर्थशास्त्र प्रथम सत्र	28	28	(28) पास
23.	एम. ए. अर्थशास्त्र तृतीय सत्र	28	28	(28) पास
24.	एम. एससी. (गणित)	35	35	(15) पास

25.	पी. जी. डी. सी. ए.	28	25	(25) पास
26.	बी. वॉक तृतीय सत्र	60	37	(37) पास

महाविद्यालय की वाणिज्य विभाग की दो छात्राओं रजनी चौधरी ने यू.जी.सी. नेट फार जे. आर. एफ. तथा मनीषा कुमारी ने नेट की परीक्षा में योग्यता प्राप्त की।

छात्रवृत्तियाँ :-

इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व विभिन्न श्रेणियों, अनुसूचित जाति, जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि आबंटित की गई जिसका विवरण अधोलिखित है –

क्र. सं.	**वर्ग**	**छात्रवृत्ति का नाम**	**लाभान्वित विद्यार्थी**
1.	–	सेंट्रल सेक्टर स्कीम	03
2.	अन्य पिछड़ा वर्ग	पोस्ट मैट्रिक स्कीम	07
3.	अनुसूचित जाति	उपरोक्त	42
4.	जनजाति	उपरोक्त	01
5.	आर्थिक रूप से कमज़ोर	डॉ. अम्बेदकर पोस्ट मैट्रिक स्कीम	14
6.	.....	इन्दिरा गाँधी उत्कृष्ट छात्रवृत्ति	09
7.	आई आर डी. पी.	....	02
8.	.....	कल्पना चावला	100

सांस्कृतिक उपलब्धियाँ वर्ष 2019 – 2020 :–

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय युवा समारोह समूह – III जिसका आयोजन 3 से 6 अक्तूबर, 2019 तक स्थानीय महाविद्यालय में किया गया उसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने समूह – नृत्य प्रतिस्पर्धा में प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में कुमारी आंचल तृतीय स्थान पर रहीं।

हि. प्र. युवा सेवाएं एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित युवा समारोह (जिला स्तरीय) में, जो कि 14 – 15 दिसम्बर, 2019 को नादौन में आयोजित किया गया, इसमें स्थानीय महाविद्यालय की छात्राएं समूह नृत्य स्पर्धा में प्रथम स्थान पर रहीं।

शारीरिक शिक्षा और खेलकूद :-

पिछले कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय के होनहार

खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर महाविद्यालय व हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

इस वर्ष हमारे खिलाड़ियों ने 06 ट्राफियाँ जीतीं जिनका विवरण निम्नलिखित है –

अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन :-

इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय के खिलाड़ी ने लगातार चौथी बार अंतर–महाविद्यालय खो–खो प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे, परन्तु फाइनल मैच स्थानीय दर्शकों के अवरोध के कारण पूरा न हो सका, इस प्रतियोगिता में खो–खो के खिलाड़ियों अविकाश, रघुनन्दन, आश्ले, सुमित, शुभम, राहुल, परीक्षित, ओंकार, सचिन, अमन, सुनील, विशाल, ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय की महिला खिलाड़ियों ने अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर महिला वर्ग में दूसरी उपविजेता ट्राफी जीती। महाविद्यालय की अलका, इति, काजल, अंजलि ठाकुर, दीक्षा, अंजलि, शिवानी, अरुण कुमारी, दीक्षा कुमारी, साक्षी और पूजा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

इस वर्ष महिला शतरंज खिलाड़ियों ने पहली बार अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में तीसरे स्थान की ट्राफी जीती, यह शीना, सृष्टी, निताशा, मुस्कान, शिवाली और वैशाली की कड़ी मेहनत के कारण ही संभव हो सका।

महाविद्यालय के धावकों ने पिछले कई वर्षों की भांति इस बार भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए महिला व पुरुष वर्ग में उप–विजेता ट्राफी जीती। महिला वर्ग में प्रिया ठाकुर ने 100 मीटर दौड़ में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक व 200 मीटर दौड़ में रजत, मनीषा कुमारी ने 200 मीटर में कांस्य, शिवाली ने ऊँची कूद में कांस्य, प्रिया, मनीषा, भारती और हर्षिता ने 400 मीटर रिले व 800 मीटर रिले दौड़ में रजत पदक जीता। वहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग में रोहित ने लम्बी कूद और तिहरी कूद में स्वर्ण, साहिल ने 1500 मीटर में स्वर्ण व 800 मीटर में कांस्य, पोल वॉल्ट में अभिषेक ने स्वर्ण तथा अमन ने रजत, अर्जुन ने 100 मीटर दौड़ में कांस्य, राजीव ने 400 मीटर दौड़ में कांस्य, सचिन ने ऊँची कूद में कांस्य, 400 मीटर रिले दौड़ में अनमोल, राजीव, सचिन और अर्जुन ने रजत तथा 800 मीटर रिले दौड़ में दीपक, साहिल, अर्जुन, व राजीव ने रजत पदक जीता।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की अंतर–महाविद्यालय महिला कुश्ती प्रतियोगिता में महाविद्यालय की तेनजिन ने 78 किलोग्राम भार वर्ग में विरोधी पहलवानों को पछाड़ कर स्वर्ण पदक जीता, 70 किलोग्राम भार वर्ग में पूजा ने रजत पदक और कविता ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर हमीरपुर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इनके अतिरिक्त मीनाक्षी, तान्या, शिवानी

व तम्मना का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा।

महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने तायक्वोंडो में बेहतर प्रदर्शन कर महिला वर्ग में सेकेंड उपविजेता ट्राफी जीती। इस महाविद्यालय की आंचल ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, शिवानी ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में कांस्य पदक और तेनजिन ने 73 वर्ग किलोग्राम में रजत पदक जीता, वहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग में वीरेंदर सिंह ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक, और आशीष कुमार ने 80 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। अंतर–महाविद्यालय जूडो प्रतियोगिता में मीनाक्षी ने ओपन भार वर्ग में कांस्य पदक तथा मुक्केबाजी में विशाल ने भी कांस्य पदक जीता।

महाविद्यालय की फुटबाल टीम का प्रदर्शन सराहनीय रहा। फुटबॉल टीम काफी वर्षों के पश्चात अंतर–महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमी–फाइनल तक पहुंची।

राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन :-

राज्यस्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में मीनाक्षी कुमारी ने स्वर्ण, कृष्ण कुमार ने रजत तथा राज्यस्तरीय जूडो प्रतियोगिता में कृष्ण कुमार ने रजत, मीनाक्षी कुमारी ने कांस्य पदक जीता। राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता मे प्रिया ठाकुर ने 100 मीटर में स्वर्ण और 200 मीटर में रजत, मनीषा ने 100 मीटर में रजत, साहिल ने 800 मीटर व 1500 मीटर में रजत, रोहित ने लम्बी कूद में स्वर्ण तथा विशाल ठाकुर ने 3000 मीटर में कांस्य, सचिन ने 200 मीटर में रजत, राजीव ने 200 और 400 मीटर में रजत पदक तथा हिमांशु ने 800 मीटर में कांस्य पदक जीता।

अंतर-विश्वविद्यालय व नेशनल प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन :-

क्रॉस–कंट्री में साहिल, फुटबॉल में शुभम, खो–खो में असले, सुमित, अविकाश और विशाल, एथलेटिक्स में साहिल, रोहित शर्मा, प्रिया ठाकुर और मनीषा कुमारी, हॉकी में रश्मी, सतरंज में शीना, तायक्वोंडो में आशीष और आँचल, तथा कुश्ती में मीनाक्षी और जुडो में तेनजिन ने अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता में प्रदर्शन :-

महाविद्यालय की वार्षिक खेल–कूद प्रतियोगिता में इस वर्ष शारीरिक शिक्षा विभाग ने "हम भी नशे के खिलाफ़" के तहत सप्ताह भर दिनांक 24–02–20 से 29–02–20 तक महिला व पुरुष वर्ग में वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, खो–खो, बैडमिंटन, शतरंज, रस्सा–कस्सी आदि के मुकाबले करवाए। इस प्रतियोगिता में लगभग 1200 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया जो कि अपने आप में एक अनूठी पहल थी। इसके लिये मैं शारीरिक शिक्षा प्राध्यापक डॉ. पवन वर्मा को बधाई देती हूं। महाविद्यालय की वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में राजीव को सर्वश्रेष्ठ धावक व महिला वर्ग में मनीषा कुमारी को सर्वश्रेष्ठ धाविका चुना गया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन. सी. सी.) :-

एकता और अनुशासन का ध्येय लिये हुए एवं मुस्कान के साथ आज्ञा का पालन करते हुए महाविद्यालय मे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन. सी. सी.) की दो ईकाइयाँ (छात्र तथा छात्रा वर्ग) निरंतर कार्य कर रही है। इस वर्ष स्नातक प्रथम वर्ष से 43 छात्र तथा 19 छात्राएं एनसीसी इकाई के अंतर्गत पंजीकृत किए गए हैं व कुल एनसीसी कैडेट्स की संख्या 130 है। छात्र वर्ग इकाई के प्रभारी प्रोफेसर बोविन्द्र कटोच तथा छात्रा वर्ग इकाई के प्रभारी प्रो. अंजना हैं। इस वर्ष एनसीसी इकाई के अंतर्गत कैडेट्स ने सक्रियता से निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया।

22 मई से 31 मई, 2019 तक ठियोग में आयोजित शूटिंग कैंप में 1 कैडेट्स ने भाग लिया।

27 मई से 5 जून, 2019 तक बैजनाथ में आयोजित अखिल भारतीय ट्रेनिंग कैंप में 2 कैडेट्स ने भाग लिया।

1 जून से 10 जून, 2019 तक रोपड़ में आयोजित इंटर कंपिटीशन कैंप में 1 कैडेट ने हिस्सा लिया।

4 जून से 15 जून, 2019 तक आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कैंप में 4 कैंडेट्स ने अमृतसर में भाग लिया।

10 जुलाई से 19 जुलाई, 2019 तक भेरु महादेव में आयोजित 'प्री –थल सैनिक कैंप' में 6 कैडेट्स ने भाग लिया।

21 जुलाई से 30 जुलाई, 2019 तक पेखूबेला में आयोजित 'प्री –थल सैनिक कैंप' 4 कैडेट्स ने भाग लिया।

मलोट में 16 अगस्त से 27 अगस्त, 2019 तक आयोजित बेसिक लीडरशिप कैंप में 2 कैडेट्स ने भाग लिया।

1 अक्तूबर से 10 अक्तूबर, 2019 तक रोपड़ में आयोजित 'प्री–थल सैनिक कैंप 2' में 4 कैडेट्स ने भाग लिया।

27 अक्तूबर से 5 सितम्बर, 2019 तक रोपड़ में आयोजित 'प्री–थल सैनिक कैंप 3'में 3 कैडेट्स ने भाग लिया।

15 से 27 सितंबर, 2019 तक दिल्ली कैंट में आयोजित 'थल सैनिक कैंप में 3' कैडेट्स ने भाग लिया।

10 से 19 सितंबर, 2019 तक फगवाड़ा में आयोजित 'पर्सनालिटी डेवलपमेंट एंड लाइफ स्किल' कैंप में 1 कैडेट ने हिस्सा लिया।

27 सितंबर से 2 अक्तूबर, 2019 तक रतिघाट में आयोजित 'यूके ट्रैक ऑल इंडिया ट्रैकिंग एक्सपीडिशन' कैंप में भाग लिया।

13 जनवरी से 24 जनवरी, 2020 तक रूप में आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत कैंप' में 2 कैडेट्स ने

भाग लिया।

16 जनवरी से 27 जनवरी, 2020 तक तोरंग्ल्लू कर्नाटका में 4 कैडेट्स ने एक कैंप' में भाग लिया।

एन.सी.सी. की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के 3 कैडेट्स ने स्वर्ण, 9 कैडेट्स ने रजत तथा एक ने कांस्य पदक हासिल कर महाविद्यालय का नाम चमकाया तथा ऑल ओवर बेस्ट कैडेट का भी सम्मान पाया। इसके अतिरिक्त एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता पौधारोपण तथा एचआईवी एड्स जागरुकता कार्यक्रमों के साथ–साथ महाविद्यालय के सभी कायक्रमों में अपनी कार्य दक्षता के आधार पर सहयोग किया।

एन. एस. एस. (2019–2020)

राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम अधिकारी –

यूनिट 1 : डॉ. मनोज डोगरा (100 स्वयं सेवक)

यूनिट 2 : प्रो. भगवती प्रसाद शर्मा (100 स्वयं सेवक)

राजकीय महाविद्यालय की दो इकाईयाँ हैं, जिनमें प्रत्येक इकाई में 100 स्वयं सेवक हैं।

गतिविधियाँ –

1. दिवस मनाए :

एन. एस. एस. दिवस राष्ट्रीय मतदाता दिवस, साम्प्रदायिक सौहार्द दिवस, सविंधान दिवस, एड्स जागरुकता दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया, जिनमें रैली निकालकर लोगों को जागरुक भी किया गया।

2. जागरुकता संगोष्ठी (नशा निवारण) :

3 सितंबर 2019 को मुख्यातिथि, पुलिस अधीक्षक हमीरपुर, श्री अर्जित सेन ठाकुर की अध्यक्षता में युवा वर्ग को नशे के खिलाफ जागरुक किया गया।

3. गांधी जयंती (2 अक्तूबर) के अवसर पर 'दिव्य हिमाचल' समाचार पत्र के सौजन्य से महाविद्यालय परिसर व अणु में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा प्लास्टिक कचरा इकट्ठा किया गया। इसमें मुख्यातिथि पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल थे।

4. एन. एस. एस. स्वयं सेवकों द्वारा खसग्रां में पौधा रोपण किया गया, जिसमें स्वयंसेवियों ने वन विभाग के सहयोग से 50 पौधे रोपित किए।

5. सात दिवसीय शिविर के दौरान (27 दिसम्बर, 2019 – 2 जनवरी, 2020) महाविद्यालय के साथ लगते गांवों अणुखुर्द, अणुकलां, कोहलड़ी, बलवराड़, सिहुणी, कक्करू, चौरी व चौकी में स्वयंसेवियों द्वारा नशे के विरुद्ध जागरुकता अभियान चलाया गया, जिसमें इन गांवों के निवासियों के साथ सीधा

संवाद कर के नशे के खिलाफ़ मुहिम चलाई गई। इस कायक्रम में 100 स्वयंसेवियों ने 7 दिन तक नशा जागरुकता कार्यक्रम चलाया।

6. सात दिवसीय शिविर के दौरान राजकीय प्राथमिक केंद्र पाठशाला सिहुणी व महाविद्यालय परिसर में सफाई की व फूल वाटिकाओं का निर्माण किया।

7. वन विभाग की अधिकारी डी. एफ. ओ. हमीरपुर श्रीमती संगीता चंदेल ने वन्य प्राणी व पर्यावरण जागरुकता कार्यशाला के माध्यम से पर्यावरण व वन्य जीव संरक्षण के लिए चेतना जगाई। उन्होंने वन विभाग में विभिन्न पदों के लिये प्रतियोगी परीक्षा, शारीरिक परीक्षा व वन अधिकारियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों के विषय में भी जानकारी देकर जागरुक किया।

रोवर एंड रेंजर्स :- महाविद्यालय में इस इकाई का संचालन आचार्य ज्योत्स्ना और प्रो. सौरभ सूद कर रहे हैं।

इस महाविद्यालय के रोबर एंड रेंजर्स इकाई ने रक्तदान शिविर, फिट इंडिया मूवमेंट, परिसर सौंदर्यीकरण, स्वच्छ भारत अभियान सहित अन्य सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

रॉट्रेक्ट क्लब (Rotract club) :-

महाविद्यालय के रॉट्रेक्ट क्लब के (डायरेक्टर) निदेशक भगवती प्रसाद शर्मा हैं। इसमें 40 छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं। क्लब का उद्देश्य छात्रों को समाज कल्याण के साथ जोड़ना है। क्लब को "रोटरी क्लब" हमीरपुर द्वारा विशेष गतिविधियाँ करवाने के लिये वित्तीय सहायता दी जाती है। 30 अक्तूबर, 2019 को राजकीय प्राथमिक पाठशाला सिंहूणी में साक्षरता दिवस मनाया। 27 दिसम्बर, 2019 को चिल्ड्रन पार्क की साफ़–सफ़ाई की गई।

रेड रिबन क्लब :-

रेड रिबन क्लब में 5 पियर लीडर महाविद्यालय के विद्यार्थियों में से ही चुने गए हैं। इसके नोडल अधिकरी प्रो. बोविन्द्र कटोच हैं। इस क्लब ने इस वर्ष विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित की।

1. 27 जुलाई, 2019 को स्व. प्रो. अजीत अग्निहोत्री की पुण्यतिथि पर उनके परिवार के सौजन्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें 35 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया।

2. 9 दिसम्बर, 2019 को एड्स के विषय में जागरुक करने हेतु कार्यक्रम करवाया गया। जिसमें नारा लेखन, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग इत्यादि प्रतियोगिताएं करवाई गईं, साथ ही रैली भी निकाली।

युवा रेड क्रास :-

महाविद्यालय में युवा रेड क्रॉस की शाखा वर्ष 2018–2019 से प्रारम्भ की गई है। इसमें 100 विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया। रेड क्रास की शाखाएं सम्पूर्ण विश्व में प्रचलित हैं जो मानव के

कल्याणार्थ योगदान दे रही हैं। महाविद्यालय में इस शाखा के संयोजक प्रो. संदीप कुमार हैं। सामाजिक कल्याण में योगदान देते हुए इस शाखा ने 27 जुलाई, 2019 को एक दिवसीय रक्तदान शिविर में भाग लिया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत इकाई :-

वर्तमान में महाविद्यालय में एक "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" इकाई मौजूद है जिसमें एन. सी.सी. रोवर्स एंड रेंजर्स व एन.एस.एस. के सत्रह विद्यार्थी शामिल हैं, इस इकाई के प्रभारी प्रो. बलजीत जम्वाल हैं तथा इकाई के अध्यक्ष दीक्षित ढलारिया व उपाध्यक्ष अनुराग नेगी हैं, यह इकाई समय–समय पर महाविद्यालय में अनेक गतिविधियाँ करवाती रहती है।

महाविद्यालय में दिनांक 12–02–2020 को केरल राज्य त्रिशूर पुरम हिन्दु त्यौहार पर वृत्तचित्र दिखाया गया जिसमें बतौर मुख्यतिथि डॉ. अंजू बत्ता सहगल तथा लगभग 80 विद्यार्थी शामिल रहे।

20–02–2020 को केरल के जंगल और वनस्पति, शीर्षक के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

25–02–2020 को मलयालम भाषा में पानी बचाओ व केरल राज्य के विषय में नारा लेखन व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

महाविद्यालय में दिनांक 29–02–2020 को 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' दिवस का आयोजन किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान :-

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया राष्ट्रीय स्तर का अभियान है। जिसका उद्देश्य गलियों, सड़कों तथा अधोसरंचना को साफ–सुथरा रखना है। इस वर्ष कॉलेज में स्वच्छ भारत अभियान कमेटी ने कैंपस सौंदर्यीकरण कमेटी के साथ मिलकर 30–09–2019 को एक सफाई अभियान चलाया जिसमें कॉलेज के सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया और कक्षाओं तथा कैंपस को साफ़ किया।

करियर गाईडेंस कम प्लेसमैंट सैल :-

छात्रों को रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी व मार्गदर्शन के उद्देश्य से महाविद्यालय में एक कैरियर गाईडेंस कम प्लेसमैंट सैल का गठन किया गया है। अनुभवी विद्वानों के सहयोग से इस सत्र में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से "अपराजिता" (100 मिलियन समाप्त) कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें डी. एस. पी. हमीरपुर डा. रेणु शर्मा बतौर मुख्यातिथी शामिल थीं और इसमें 96 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस वर्ष सैल द्वारा करियर कॉउनसलिंग सेमिनार का आयोजन जिला रोजगार विभाग की सहायता से विद्यार्थियों को अनेक रोजगार अवसरों के विषय में जागरुक करने के उद्देश्य से किया गया जिसमें उपायुक्त हमीरपुर, श्री हरीकेश मीणा ने 69 विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

किया। सेमिनार में अन्य अधिकारियों ने छात्रों को बेहतर रोजगार अवसरों से अवगत करवाया। सैल समय–समय पर नोटिस बार्ड पर रोजगार के अवसरों से अवगत करवाता है। इस सैल के समन्वयक सह. प्रो. नरेश चंदेल हैं।

इस सैल ने दिनांक 2 मार्च, 2020 को कॉलेज सभागार में एक कांउन्सलिंग लेक्चर आयोजित किया जिसमें बच्चों को रोजगार विकल्पों के बारे में बताया गया तथा एक छात्रवृत्ति परीक्षा आई. बी. एम. के सौजन्य से करवाई गई। लेक्चर में मुख्य वक्ता तनवी डोगरा, आई. बी. एम. मार्केट मैनेजर कम प्लेसमेंट सैल, थी और लगभग 70 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया।

महिला शिकायत और निवारण प्रकोष्ठ

(Women Grievances Redressal Cell) :-

इस मंच के द्वारा महिलाओं में जागरुकता अभियान चलाने की स्फूर्ति पैदा की जाती है व महाविद्यालय में छात्राओं की व्यक्तिगत समस्याओं को भी सुलझाया जाता है। इस वर्ष 9 अगस्त, 2019 को "महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता" पर लड़कियों के लिये उन्मुखीकरण (Orientation) कार्यक्रम किया जिसमें लगभग 300 लड़कियाँ उपस्थित थी। महाविद्यालय में इस सैल की अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया तथा विजेता प्रतिभागियों को मुख्यातिथि स्थानीय महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अन्जू बत्ता सहगल ने पुरस्कृत कर स्मृति चिह्न भी प्रदान किए।

इक्विटी इन्सिएटिव सैल :-

महाविद्यालय में रूसा के तहत (मार्जनेलाइज्ड) निम्न श्रेणी के छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित करने के लिए इस सैल का गठन किया गया है इस सैल की संयोजक डॉ. संगीता सिंह हैं। इस वर्ष महाविद्यालय को रूसा के तहत 56434 / की राशि जारी हुई जिसे विकासात्मक कार्यों पर खर्च किया गया। वर्तमान सत्र में जनजातीय बाल–छात्रावास के लिये एक LED TV तथा दो सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन खरीदी तथा उन्हें गर्ल्स कॉमन रूम व गर्ल्स हॉस्टल में स्थापित करवाया गया।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् :-

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त यह परिषद् प्रत्येक महाविद्यालय का मूल्यांकन करती है। इसी तर्ज पर महाविद्यालय स्तर पर आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ (IQAC) का गठन किया गया है, यह समिति विद्यार्थियों और अध्यापकों के मध्य शैक्षणिक एवं शोधपरक गतिविधियों की प्रगति में सहायता करती हैं। इस समिति के समन्वयक प्रो. रीटा शर्मा हैं। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिये सैल ने 27 मार्च 2019 को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। विद्यार्थियों के लिये मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने जैसे स्वच्छ पीने का पानी, साफ परिसर, बैठने की उचित व्यवस्था, पुस्तकालय में आधुनिक सुविधाएं, समय–समय पर कक्षाओं में फर्नीचर की मुरम्मत

आदि के लिये यह सैल प्रयासरत रहता है। इसके अलावा छात्राओं के सामूहिक कक्ष के नवीनीकरण व अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिये भी इस सैल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान (RUSA)

वर्ष 2013–14 से महाविद्यालय में रूसा के अंतर्गत स्नातक स्तर की शिक्षा प्रदान की जा रही है, महाविद्यालय में विकासात्मक गतिविधियों को जारी रखने के लिये इस वर्ष 2019–2020 में 50 लाख रुपये प्राप्त किये तथा इस में गर्ल्स हॉस्टल और बॉयज हॉस्टल के सेप्टिक टैंक्स की रिपेयर के लिये 5 लाख, स्टेज निर्माण के लिये 15,15,140/रुपये, साँईस ब्लॉक, पी.टी.ए. ब्लॉक, और परीक्षा हॉल में कैमरे लगाने के लिए 5,90,979/रूपये ,सिक्योरिटी गार्ड्स के कमरे बनाने के लिए 8,20,400/रूपये,स्पोर्टस काम्प्लेक्स के नजदीक रास्ता बनाने हेतु 2,50,000 रूपये, एम, एससी, प्राणिविज्ञान और वनस्पति विज्ञान के छात्रों की किताबों के लिए 1,11,620/रूपये, हॉल में पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाने हेतु 5 लाख रूपये व्यय किए गए । इसके समन्वयक प्रो0 बलजीत जम्वाल है ।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU)

बड़ी संख्या में लोगों को (विशेषतः समाज के लाभवंचित वर्गों) उच्चत्तर शिक्षा प्रदान करने हेतु IGNOU का अध्ययन केन्द्र इस महाविद्यालय में सुचारु रूप से चला हुआ है, जिसमें लगभग 3500 विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। हर वर्ष इस अध्ययन केन्द्र में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है तथा यहाँ हर यू. जी. और पी. जी. स्तर के कार्यक्रम संचालित है। इसके समन्वयक प्रो. रविन्द्र पॉल हैं व उप समन्वयक प्रो. रवि दत्त हैं।

यूजीसी अफेयरस :-

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संबंधित कार्यों की समिति के संयोजक प्रो. सौरभ सूद हैं।

आयोग द्वारा समय–समय पर दिए गए निर्देशों पर अमल करने के लिये यह समिति आवश्यक कार्यवाही करती है।

छात्रावास :-

महाविद्यालय में अनुसूचित जाति व जनजाति के जो छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उन्हें आवास की सुविधा प्रदान करने हेतु दो छात्रावास हैं जिनमें प्रत्येक में 92 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। कन्या–छात्रावास की प्रबंधक डॉ. आशा तथा बाल छात्रावास के प्रबंधक डॉ. दिनेश शर्मा हैं। इस वर्ष कन्या छात्रावास में 92 व बाल छात्रावास में 60 छात्रों ने प्रवेश लिया। छात्रावासों में समयानुसार विभिन्न सांस्कृतिक, खेलकूद तथा शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष खेलो इण्डिया व फिट इण्डिया अभियान के तहत विभिन्न खेलकूद प्रतिस्पर्धाएं महाविद्यालय की छात्राओं व छात्रावास की छात्राओं के बीच करवाई गईं तथा 4:00 से 5:00 बजे तक सांयकाल में छात्राओं की क्रीडावधि भी इस अभियान के तहत निश्चित की गई है।

पुस्तकालय :-

गुणात्मक शिक्षा के उद्देश्य से छात्रों की सुविधा के लिये पुस्तकालय पर विशेष ध्यान दिया जाता है। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर 34,190 पुस्तकें उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए तथा ज्ञानवर्धन के लिये पुस्तकालय में 25 पत्रिकाओं व जर्नल और 11 दैनिक समाचार पत्र व दो साप्ताहिक समाचार पत्रों की व्यवस्था भी है। इस वर्ष पी. टी. ए. के सहयोग से पी. टी. ए. निधि से 1,62,468 रुपये से पुस्तकालय का स्वचालन (Automation) करवाया गया। इस वर्ष रूसा फंड से 1,11,620/ रुपये की 220 पुस्तकें स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान व प्राणि विज्ञान विभाग के लिये खरीदी गई तथा समाजशास्त्र व शिक्षा विभाग के लिए ए.फ. से 33002/– रुपये की 52 पुस्तकें खरीदी गई। विद्यार्थी पुस्तकालय का अधिक से अधिक लाभ उठा सके इसलिये उनके बैठने की व्यवस्था की क्षमता को बढ़ाया गया। छात्र–छात्राओं को बैठने के लिये 70 टेबल व 280 कुर्सियां खरीदी गई ताकि 400 विद्यार्थी एक साथ बैठकर अध्ययन कर सके और पुस्तकालय का लाभ ले सकें। इस फर्नीचर को खरीदने के लिए BCA, BBA, or Library security interest and forfeited Library security fund का सहयोग लिया गया।

केन्द्रीय छात्र परिषद् :-

युवाओं को लोकतान्त्रिक मूल्यों के प्रति जागरुक करने के लिये केन्द्रीय छात्र परिषद् महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस सत्र में भी लिंगदोह समिति की सिफारिशों व हि. प्र. विश्वविद्यालय शिमला के नए दिशा निर्देशों के अनुसार शैक्षणिक योग्यता तथा मनोनयन प्रक्रिया से चुनाव निर्विघ्न सम्पन्न हुए। सत्रांत परिणाम की वरीयता के आधार पर 30 कक्षा प्रतिनिधियों को चुना गया तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को केन्द्रीय छात्र परिषद् के पदाधिकारी बनाया गया जिनके नाम अधोलिखित हैं –

1	कृष्ण भाटिया	एम. कॉम. प्रथम सत्र	अध्यक्ष
2	अनुज कुमार	बी. एससी. पंचम सत्र	उपाध्यक्ष
3	यामिनी	बी. ए. प्रथम वर्ष	सचिव
4	तनु ठाकुर	बी. बी. ए. तृतीय सत्र	सहसचिव

– विभिन्न श्रेणियों से आठ सदस्यों का मनोनयन किया गया है।

भूतपूर्व छात्र संगठन :-

महाविद्यालय के पूर्व छात्रों जो कि वर्तमान समय में समाज के विविध क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं उन्हें महाविद्यालय परिवार से जोड़े रखने के लिये ओल्ड स्टूडेंट एशोसिएशन (भूतपूर्व

छात्र संगठन) का गठन किया गया है।

ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की सहायता और मार्गदर्शन के साथ ही विकासात्मक गतिविधियों में पूर्ण रूप से सहयोग दे रही है। वर्तमान में एडवोकेट श्री शिवराज सिंह पटियाल इसके अध्यक्ष और प्रो. सौरभ सूद महासचिव हैं।

अभिभावक - अध्यापक संघ :-

महाविद्यालय के विकास एवं शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करने में अभिभावक अध्यापक संघ का योगदान अतीव महत्त्वपूर्ण होता है। वर्ष 1994 में पहली बार इस संस्था का गठन किया गया था। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष महाविद्यालय में इसका गठन किया जाता है। इस वर्ष भी अधोलिखित पदाधिकारी चयनित किए गए हैं – श्री राजगोपाल शर्मा – अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार – उपाध्यक्ष, डॉ. मधुर स्वर मिश्र – सचिव, श्री राजपाल शर्मा – कोषाध्यक्ष, श्री होशियार सिंह – मुख्य सलाहकार तथा प्रो. मनोज डोगरा व प्रो. सौरभ सूद प्रेस सचिव।

इस वर्ष संस्था की कुल आय 22,41,391 हुईं तथा लगभग 15,83,507 रुपये खर्च हुए। जिसमें 7,26,189 विभिन्न विकासात्मक कार्यों व 8,57,318 पी.टी.ए. पर नियुक्त कर्मचारियों के वेतन हेतु व्यय किए।

पी.टी.ए. के तहत दो प्राध्यापक, पाँच प्रयोगशाला सहायक, दो सफ़ाई कर्मचारी, तीन सुरक्षा कर्मचारी तथा एक चौकीदार अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

महाविद्यालय पत्रिका :-

विद्यार्थियों की सृजन शक्ति को विकसित करने एवं उनमें लेखन प्रतिभा जागृत करने के उद्देश्य से महाविद्यालय की पत्रिका 'हमीर' का प्रकाशन हर सत्र में किया जाता है। इस पत्रिका में कई प्रेरणास्पद स्तम्भ विद्यमान हैं। पत्रिका में इंग्लिश, हिंदी, संस्कृत, विज्ञान, योजना, वाणिज्य तथा कम्प्यूटर विभाग हैं, छात्र सम्पादकों का चयन नियमानुसार किया जाता है। डॉ. मधु स्वर मिश्रा पत्रिका के मुख्य सम्पादक हैं।

शैक्षणिक भ्रमण :-

प्राणिविज्ञान के द्वितीय वर्ष के छात्र व छात्राओं ने कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मधुमक्खी पालन अनुसंधान केन्द्र हटवास नजदीक नगरोटा बगवाँ का भ्रमण 19 फरवरी, 2020 को सहायक आचार्य संदीप कुमार तथा सहायक आचार्य रुचि साँगल के मार्गदर्शन में किया।

विशेष दिवस :-

महाविद्यालय में 21 जून, 2019 को 'योग दिवस, 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस, 29 अगस्त, 2019 को 'फिट इंडिया' 24 सितंबर, 2019 को राष्ट्रीय स्वयं सेवक दिवस, 2 अक्तूबर, 2019 को गांधी जयंती, 1 दिसंबर, 2019 को 'एडस जागरुकता दिवस' 24 दिसंबर, 2019 को उपभोक्ता दिवस, 25

जनवरी, 2020 को मतदाता दिवस, 28 फरवरी, 2020 को विज्ञान दिवस एवं 7 मार्च, 2020 को 'महिला दिवस' मनाए गए। इन दिवसों के अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की गई तथा प्रत्येक दिवस के बारे में जागरुक किया गया। 'फिट इंडिया' मुहिम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं को खेल परिसर में खेलने का आह्वान किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि महाविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी किसी न किसी खेल में अवश्य भाग लें। महिला दिवस के उपलक्ष्य में छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा साथ ही भारत सरकार द्वारा बनाए गए महिलाओं के कानूनों से भी अगवत करवाया गया एवं कई प्रकार की अभिप्रेरणात्मक कहानियों के माध्यम से प्रेरित किया कि सफलता की ओर किस प्रकार अग्रसर होना है।

विभाग :

अंग्रेजी विभाग :-

यह वर्ष अंग्रेजी विभाग के लिए गतिविधियों से भरा रहा। विभाग ने समय–समय पर पी.जी. और यू.जी. के विद्यार्थियों के लिये विभागीय स्तर पर सेमिनार, पी.पी.टी. प्रस्तुतीकरण और शैक्षणिक फिल्मों की स्क्रीनिंग का आयोजन किया।

व्यक्तिगत उपलब्धियाँ :-

इस सत्र में डॉ. संगीता सिंह ने तीन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में तथा तीन राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों एवं एक राज्य स्तर के सम्मेलन में शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

- ✍इनके द्वारा लिखा हुआ एक शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जर्नल में प्रकाशित हुआ।
- ✍इस वर्ष इन्होंने ICDEOL के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिये क्रिएटिव राईटिंग के अध्याय लिखे।
- ✍इस वर्ष इन्होंने हिमाचल प्रदेश तकनीकी शिक्षा विश्वविद्यालय में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाषा प्रयोगशाला को स्थापित करने हेतु महत्त्पूर्ण भूमिका निभाई।
- ✍इस वर्ष इन्होंने एक शोधार्थी के पीएच.डी. के कार्य का मूल्यांकन किया तथा संबधित विश्वविद्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- ✍इन्होंने इस वर्ष दो दिवसीय प्रयोगशाला में संसाधन व्यक्ति की भूमिका निभाई तथा समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोंष्ठी में सत्र अध्यक्ष की भूमिका निभाई।
- ✍इन्होंने स्वयं द्वारा संचालित पुनच्श्चर्चा पाठ्यक्रम के तहत 40 घंटे का ऑनलाईन कोर्स 30 मार्च, 2019 को पूरा किया।

डॉ. सुभाष वर्मा ने वर्तमान सत्र में तीन शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में तथा एक शोध–पत्र राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित किए।

✍इनके द्वारा लिखा एक अध्याय एक पुस्तक में प्रकाशित हुआ।

✍इन्होंने इस वर्ष दो अंतर्राष्ट्रीय तथा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपने शोध–पत्र पढ़े।

✍इस वर्ष इन्होंने क्रिएटिव राइटिंग इन इंग्लिश में प्रथम श्रेणी में इग्नू से डिप्लोमा हासिल किया।

✍इस सत्र में इन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से रिफ्रेशर कोर्स भी पूरा किया।

✍इन्होंने इस वर्ष एक शोधार्थी के पी.एच.डी. के कार्य का निर्देशन किया तथा संबधित विश्वविद्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की।

✍इसके साथ ही इन्होंने इस सत्र में केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला तथा हि.प्र. विश्वविद्यालय शिमला के UG/PG Exams के प्रश्न–पत्र सेट किए।

डॉ. मुकुल शर्मा ने इस वर्ष एक अंतर्राष्ट्रीय व दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में अपने शोध–पत्र पढ़े तथा एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

प्रो. नीरज शर्मा ने इस वर्ष एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध–पत्र पढ़ा तथा हि.प्र. विश्वविद्यालय से 21 दिवसीय उन्मुखी कार्यक्रम पूरा किया।

भौतिकी विभाग :-

1. सह आचार्या नीलम कुमारी ने एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध–पत्र पढ़े।
2. सह–आचार्य रविन्द्र पॉल ने एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध–पत्र प्रस्तुत किया, साथ ही एक सत्र की अध्यक्षता भी की तथा कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। इन्होंने एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध–पत्र प्रस्तुत करने के साथ एक सत्र की अध्यक्षता भी की।
3. सह आचार्य विपिन शर्मा ने दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किये।
4. सहायक आचार्या ज्योत्स्ना ने दो अंतर्राष्ट्रीय एक राष्ट्रीय तथा एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी में शोध–पत्र प्रस्तुत किये। इनका शोध–पत्र सम्मेलन की कार्यवाही पुस्तिका में प्रकाशित हुआ।

रसायन विभाग :-

सह. आचार्या रीटा शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में दो शोध–पत्र, राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

सह. आचार्य नरेश चन्देल द्वारा लिखित दो शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए तथा दो प्रकाशन हेतु स्वीकृत किए जा चुके हैं।

सह. आचार्या कुसुम शर्मा ने एक अन्तर्राष्ट्रीय, दो राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किए तथा एक–एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

डॉ. सुमन शर्मा ने एक अन्तर्राष्ट्रीय, दो राष्ट्रीय, एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी में शोध–पत्र पढ़े।

सहा. आचार्या सपना राणा ने दो अन्तर्राष्ट्रीय, एक राष्ट्रीय एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी में शोध–पत्र प्रस्तुत किए। इन्होंने शिक्षक अध्यापन राजकीय महाविद्यालय, धर्मशाला में 19 / 08 / 2019 से 24 / 08 / 2019 तक क्षमता निर्माण कार्यक्रम भाग लिया।

सहा. आचार्य अंजना कुमारी ने अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में शोध–पत्र पढ़े।

पर्यटन विभाग :-

सत्र 2019–20 से हि.प्र. सरकार द्वारा महाविद्यालय में पर्यटन विषय हेतु एक पद सृजित किया गया तथा इस विषय का संचालन किया गया। विभाग ने 21–09–2019 से 27–09–2019 तक विश्व पर्यटन सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन बी. वॉक विभाग के सहयोग से किया। कार्यक्रम के समापन दिवस पर हि.प्र. कौशल विकास निगम के समन्वयक नवीन शर्मा ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की।

भूगोल विभाग :-

डॉ. संजय कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किये। स्थानीय महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में दो सत्रों की अध्यक्षता की। इनको यू.जी.सी. द्वारा अन्तर विश्वविद्यालय केन्द्र 'इन्डियन इन्स्टीच्यूट आफ एडवांस स्टडी' शिमला में उपसदस्यता के लिये चयनित किया गया।

संगीत विभाग :-

सहा. प्रो. मनोज कुमार ने 06–01–2020 से 25–01–2020 तक मानव संसाधन विकास केन्द्र, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। इन्होंने स्थानीय महाविद्यालय में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में भाग लिया।

राजनीति विज्ञान विभाग :-

सह. प्रो. सुदेश जम्बाल ने अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र पढ़े तथा दो सत्रों की अध्यक्षता भी की। सहा. प्रो. मनोज कुमार ने अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र पढ़े।

संस्कृत विभाग :-

डॉ. आशा ने अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक, राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में तीन शोध–पत्र प्रस्तुत किये। इन्होंने 2019 में विभागीय परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की।

गणित विभाग :-

गणित विभाग ने महाविद्यालय के इतिहास में पहली बार 29 व 30 नवंबर, 2019 को

एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करवाया। 'मैथमेटिक्स इन स्पेस एडं एप्लाइड साइंसेज' विषय पर इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की 'संरक्षक' महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजू बत्ता सहगल, 'समन्वयक' डॉ. जगजीत सिंह पटियाल, अध्यक्ष – डॉ. जी.सी.राणा, सह. अध्यक्ष – प्रो. कल्पना चड्ढा, संयोजक – डॉ. संजय कान्गो व आयोजन सचिव – प्रो. अशोक कुमार व डॉ सुनील कुमार शर्मा रहे। यह अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस नेशनल बोर्ड फॉर हायर एजुकेशन, मुंबई तथा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित थी।

इस अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारम्भ श्री नरेंद्र ठाकुर, माननीय विधायक, हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र व समापन राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर) के निदेशक प्रो. राकेश सहगल ने किया। कांफ्रेंस में संयुक्त अरब अमीरात से प्रो. जी.पी.राव, डी.आर. डी.ओ. नई दिल्ली से वैज्ञानिक डॉ. एस. के पॉल, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली से डॉ. **गजेंद्र प्रताप** सिंह, मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली से श्री विजय राज सिंह शेखावत, कुरुक्षेत्र विश्वद्यिालय से प्रो. अनिल वशिष्ठ व प्रो. रजनीश कुमार, हिमाचल प्रदेश, विश्वविद्यालय से प्रो. आर.पी.शर्मा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा से डॉ. तरुण शर्मा तथा श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा से डॉ. राकेश कुमार ने व्याख्यान दिए। कान्फ्रेंस में 40 शिक्षा संस्थानों से 170 प्रतिभागियों ने शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

प्रो. जगजीत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर गणित, ने इस वर्ष HPU शिमला के पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातक कक्षाओं के छात्रों के लिए तीन पुस्तकें प्रकाशित की।

इन्होंने 29–30 नवंबर 2019 को गणित विभाग के द्वारा कॉलेज में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध–पत्र प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की, वे इस कांफ्रेंस के समन्वयक भी रहे।

डॉ. संजय कानगो, एसोसिएट प्रोफेसर (गणित विभाग) ने महाविद्यालय में 29 व 30 नवंबर, 2019 को मैथमेटिक्स इन स्पेस एंड एप्लाइड साइंसेज विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया, डॉ. संजय कानगो अब तक चार अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस, दो राष्ट्रीय सेमीनार व एक कार्यशाला का सफल आयोजन कर चुके हैं।

इन्होंने भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दवली आयोग, नई दिल्ली में संसाधन व्यक्ति के रूप में 8 वर्षों से सेवाएं देते हुए इस वर्ष 'गणित शब्दावली' का प्रकाशन किया।

इस सत्र में इनके दो शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस की प्रोसीडिंग में प्रकाशित हुए। इसके अलावा अन्तर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में तीन व राष्ट्रीय सेमीनारों में दो शोध–पत्र प्रस्तुत किये तथा एक–एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।

एसोसिएट प्रो. कल्पना चड्ढा ने इस वर्ष 29–30 नवंबर, 2019 को गणित विभाग के द्वारा कॉलेज में

आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध–पत्र प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की। वे इस कांफ्रेंस की आयोजन सचिव भी रहीं।

इन्होंने तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध–पत्र पढ़े तथा उनमें सत्रों की अध्यक्षता की।

डॉ. अशोक कुमार (गणित–विभाग) ने इस वर्ष 29–30 नंवबर, 2019 को गणित विभाग के द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध–पत्र प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की। वे इस कांफ्रेंस के आयोजन सचिव भी रहे।

इन्होंने इस वर्ष HPU शिमला के पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातक कक्षाओं के छात्रों के लिए तीन पुस्तकें प्रकाशित की तथा UGC मानव विकास केंद्र, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से उन्मुखी कार्यक्रम भी पूरा किया।

डॉ. सुनील कुमार शर्मा (गणित विभाग) ने इस वर्ष 29–30 नवंबर, 2019 को गणित विभाग के द्वारा कॉलेज में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध–पत्र प्रस्तुत किया और एक सत्र की अध्यक्षता की। वे इस कांफ्रेंस के आयोजन सचिव भी रहे।

इन्होंने इस वर्ष HPU शिमला के पाठ्यक्रम के अनुसार स्नातक कक्षाओं के छात्रों के लिए छः पुस्तकें प्रकाशित UGC की तथा मानव विकास केंद्र, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से उन्मुखी कार्यक्रम भी पूरा किया।

इतिहास विभाग :-

21 दिसंबर, 2019 को इतिहास विभाग ने ठाकुर जगदेव चन्द शोध संस्थान नेरी के साथ मिलकर 'जलियाँवाला बाग़ एक नरसंहार' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसमें प्रो. हरमिंदर सिंह बेदी, कुलाधिपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला, ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस संगोष्ठी में 75 विद्वानों ने भाग लिया तथा शोध–पत्र पढ़े। 30 अगस्त, 2019 को विभाग में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों व प्राध्यापकों द्वारा विषय सोसाइटी का गठन किया गया।

इतिहास विभाग के डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने इतिहास के क्षेत्र में अमूल्य कार्य करने पर दो राज्य स्तर के पुरस्कार प्राप्त किये।

इस वर्ष में इनके चार शोध–पत्र राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए तथा पाँच राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किये।

इस वर्ष ये दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों के आयोजन सचिव व एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के समन्वयक रहे।

इन्होंने इस वर्ष इतिहास की एक कार्यशाला तथा एक राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया।

प्रो. संजय कुमार, इतिहास विभाग, ने इस वर्ष तीन राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किये तथा दो सप्ताह इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा किया।

वनस्पति विभाग :-

वनस्पति विभाग के भगवती प्रसाद शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, ने इस वर्ष 4 राष्ट्रीय और एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध–पत्र पढ़े एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में निर्णायक की भूमिका निभाई। इन्होंने वन्यप्राणी विभाग हिमाचल प्रदेश की तरफ से आयोजित वन्यप्राणी सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में तथा विवेकानंद ट्रस्ट पालमपुर द्वारा आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई। वर्तमान सत्र में इन्होंने NIT हमीरपुर द्वारा आयोजित ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकाद्मिक नेटवर्क कार्यक्रम में एक सप्ताह का कोर्स पूरा किया।

हिन्दी विभाग :-

प्रो. सरोज कंवर ने दो शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय तथा दो शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये। एक राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता भी की।

डॉ. मंजु ठाकुर ने दो शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय तथा तीन शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये। एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की तथा एक पुस्तक में इनका शोध–पत्र प्रकाशित हुआ।

समाजशास्त्र विभाग :-

डॉ. अमरजीत लाल ने विद्या वाचस्पति की उपाधि प्राप्त की। इन्होंने तीन शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा पाँच शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता भी की। राजकीय महाविद्यालय गुड़गाँव में आयोजित संगोष्ठी में 'अतिथिवक्ता' के रूप में शिरकत की।

कम्प्यूटर विभाग (संगणक विभाग) :-

कम्प्यूटर विभाग के प्रो. प्रवीण कुमार ने इस वर्ष एक अंतर्राष्ट्रीय तथा दो राष्ट्रीय सगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

अर्थशास्त्र विभाग :-

प्रो. बलजीत सिंह जम्वाल ने एक शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा दो शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए तथा सत्र की अध्यक्षता भी की।

प्रो. बालकृष्ण जुनेजा ने एक शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा दो शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए।

प्रो. विकास चन्द्र ने एक शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा दो शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए तथा टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लिया।

प्राणी विज्ञान विभाग :-

प्रो. बोविन्द चन्द ने दो शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये तथा इन्होंने एन.सी.सी. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया।

प्रो. संदीप कुमार ने एक शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा दो शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये। इन्होंने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

प्रो. रुचि साँगल ने एक शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध–पत्र राष्ट्रीय संगोष्ठी में तथा एक शोध–पत्र राज्य स्तरीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

शिक्षा विभाग :-

डॉ. शुक्ला रानी ने एक दिवसीय 'राष्ट्र स्तरीय' कार्यशाला में भाग लिया तथा इनकी एक पुस्तक प्रकाशित हुई।

वाणिज्य विभाग :-

वाणिज्य विभाग ने 18 फरवरी, 2020 को टेली व वस्तु एवं सेवा कर (GST) के ऊपर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयेजन करवाया। जिसमें पूजा ठाकुर चार्टड अकाऊटैंट व उनकी टीम ने व्याख्यान दिया। कार्यशाला में लगभग 200 विद्यार्थियों व वाणिज्य विभाग के सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया।

डॉ. वाई. एस. पटियाल ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में शोध–पत्र पढ़ा तथा एक सत्र की अध्यक्षता की। इन्होंने दो राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुत किए तथा एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

सह. आचार्य विक्रम सिंह ठाकुर ने तीन राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में व एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में शोध–पत्र प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में इन्होंने सह–अध्यक्ष तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में कोषाध्यक्ष की भूमिका निभाई एवं एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

डॉ. सतीश सोनी ने एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में तथा पाँच राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों मे शोध–पत्र प्रस्तुत किए। इनके मार्गदर्शन में दो शोधार्थियों का शोध कार्य सम्पन्न हुआ तथा उन्हें विद्या वाचस्पति की उपाधि प्राप्त हुई। एक शोधार्थी इनके मार्गदर्शन में शोध कार्य कर रहा है। तथा एक शोधार्थी के शोध–प्रबन्ध का मूल्यांकन कर इन्होंने सम्बन्धितको प्रतिवदेन प्रस्तुत किया हैं । 'इनके दो अनुसंधान शोध–पत्र अंतर्राष्ट्रीय व दो राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए।'

करियर प्वांइट विश्वविद्यालय में बोर्ड ऑफ स्टडी के सदस्य के रूप में चुना गया। हि.प्र. तकनीकी शिक्षा विश्वविद्यालय में निरीक्षण समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया तथा विश्वविद्यालय के अधीन विभिन्न महाविद्यालयों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की। स्थानीय महाविद्यालय के इग्नू केन्द्र में परामर्शदाता के रूप में नियुक्त हुए। बी.सी.ए. एवं पी.जी.डी.सी.ए. के छात्रों के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करवाया गया।

डॉ. दिनेश शर्मा ने हि.प्र. विश्वविद्यालय शिमला के मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया। इन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय तथा दो राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों में

शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

बी.बी.ए. (BBA) विभाग :-

इस वर्ष में बी.बी.ए. (BBA) विभाग ने 28 मार्च, 2019 को बी.बी.ए. के छात्रों के लिए एच.आर. और करियर काउंसलिंग पर संगोष्ठी की जिसमें छात्रों ने खुली चर्चा में भाग लिया। विभाग में 05 जुलाई, 2019 को वित्तीय साक्षरता एवं निवेशक जागरुकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि श्री मृदुल रस्तोगी, महाप्रबंधक एवं कार्यालय प्रभारी शिमला ने शिकरत की। इसी के साथ विभाग ने 03 अगस्त, 2019 को टाफ मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड में बी.बी.ए. 5वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया।

बी.सी.ए. और पी.जी.डी.सी.ए. :-

कम्प्यूटर शिक्षा आज की प्राथमिक आवश्यकता है। छात्रों को इस शिक्षा में निपुण बनाने के लिए कम्प्यूटर विभाग तत्परता से कार्य कर रहा है। स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत इस समय बी.सी.ए. और पी.जी.डी.सी.ए. के पाठ्यक्रम चल रहे हैं। प्रत्येक कक्षा में बी.सी.ए. के लिए 40 तथ पीजीडीसीए के लिए 30 सीटें निर्धारित है। इन पाठ्यक्रमों में भी छात्रों के परीक्षा परिणाम आशानुकूल रहे हैं। डॉ. सतीश सोनी बी.सी.ए. एवं पी.जी.डी.सी.ए. के समन्वयक की भूमिका निभा रहे हैं

1 बी.सी.ए. व पी.जी.डी.सी.ए. वर्तमान सत्र के दस छात्रों का चयन 03 मार्च को आई.बी.एम. कम्पनी में हुआ।

2 बी.सी.ए. के अन्तिम सत्र के तीन छात्रों को परिसर नियुक्ति के तहत हिल्टवेब सीलयूशन में नियुक्त किया गया।

3 बी.सी.ए. एवं पी.जी.डी.सी.ए. विभाग ने 1 जनवरी से 10 जनवरी, 2020 तक दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन करवाया जिसमें 58 छात्रों ने सक्रियता से भाग लिया।

बी. वॉक. (B.Voc.) :-

बी वॉक. (B.Voc) कोर्स वर्ष 2017 से महाविद्यालय में हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किया गया। इस कोर्स के अंतर्गत दो विषयों हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म तथा रिटेल मैनेजमेंट में छात्रों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इस वर्ष में प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में 250 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। इस दौरान सभी छात्रों को एक से चार महीने का औद्योगिक प्रशिक्षण 5 होटल्स जैसे Hyatt Hotel, Health Resort, Karma Exotica, The Taj Hotel मे करवाया गया। इसी तरह कुछ छात्रों को VT Mall, TDI Mall, Elantee Mall इत्यादि में प्रशिक्षण दिया गया। इस सत्र में हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म की दो छात्राओं को डिग्री पूरी करने से पहले ही 4 स्टार होटल Velvet Exotica चण्डीगढ़ में रोजगार प्राप्त हुआ।

विकासात्मक गतिविधियाँ :-

इस वर्ष महाविद्यालय में निम्नलिखित विकासात्मक कार्य करवाए गए –

- ✍ राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में एम.एससी. 'जीव विज्ञान' एवं 'वनस्पति विज्ञान' की 20–20 स्वीकृत सीटों के साथ इसी वर्ष शुरू की गई।
- ✍ 'शिक्षा' विषय को स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई।
- ✍ महाविद्यालय की नई क्रियाशील बेबासाइट का कार्य प्रगति पर है जिसके हेतु 45,000 रूपये व्यय किए गए।
- ✍ **एकीकृत धनकोष (A.F) से महाविद्यालय में अधोलिखित कार्य करवाए गए।**

क) महाविद्यालय के बैंचों की मरम्मत हेतु 63,792 रुपये खर्च किए गए।

ख) एम.एससी. जीव विज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के लिए माइक्रोस्कोप तथा मैगनेटिक (Stirrer) उपकरणों की खरीद हेतु 1,57,999 रुपये खर्च किए गए। 75,000 रूपये की राशि से एक स्टीरियो माइक्रोस्कोप भी खरीदा गया।

ग) वाणिज्य खण्ड के भवन की मरम्मत करवाई गई।

- ✍ **पी.टी.ए. धनकोष से महाविद्यालय में अधोलिखित कार्य करवाए गए** –

क) 1,62,468 रुपये से महाविद्यालय के पुस्तकालय का स्वचालन करवाया गया।

ख) महाविद्यालय के एक क्षतिग्रस्त हिस्से को गिराने के पश्चात उसके नवीनीकरण हेतु 83,731 रुपये खर्च किए गए।

ग) 2,78,781 रुपये बैंचों की मरम्मत हेतु व्यय किए।

घ) 26,500 रुपये महाविद्यालय की साफ–सफाई एवं सम्पूर्ण परिसर से खरपतवार उन्मूलन हेतु खर्च किए गए।

ड.) अभिभावकों को विद्यार्थियों से संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारी पहुँचाने हेतु एस.एम.एस. सुविधा आरंभ करने पर 17,700 रुपये खर्च किए गए।

- ✍ **बी.बी.ए. धनकोष** से बी.बी.ए. सभागार की मरम्मत हेतु 32,864 रुपये खर्च किए गए।
- ✍ **बी.सी.ए. धनकोष** से प्रयोगशाला की टाइलों की मरम्मत करवाई गई।
- ✍ **विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं निर्मल जल की सुविधा प्रदान करने हेतु 25,000 रूपये की लागत से दो जल शोधक (Water Purifier) खरीदे गए।**
- ✍ **बिल्डिंग फंड** से असुरक्षित दो कमरों तथा गैलरी को गिराने हेतु 1,52,000 रुपये खर्च किए गए।

- ✍ **साम्यता पहल (Equity Initiative) कोष** से 34,450 रुपये बाल छात्रावास के लिए एल.ई.डी टेलिविजन की खरीद हेतु खर्च किए गए तथा इसी फंड से कन्या छात्रावास के लिए तथा कन्या सांझा कक्ष (Girls Common Room) के लिये एक नैपकिन बेंडिंग मशीनें खरीदी गई जिसके लिए 22,500 रूपये खर्च किए गए ।
- ✍ **H.E.I.S. (Higher Education Institution Society) कोष** से 70 रीडिंग टेबल तथा, 280 कुर्सियां खरीदी गई। इससे बी.बी.ए. के लिए श्वेतपट्ट, कम्प्यूटर चेयर भी खरीदी गई जिसमें 47,200 रुपये खर्च किए गए। 11,24,496 रुपये इसी कोष से विज्ञान एवं पी.टी.ए. खण्ड के भवनों के बारिश के जल का तटीकरण (Channelization) करते हुए इसे जल संग्रहण टैंक से जोड़ने हेतु खर्च किए गए।
- ✍ महाविद्यालय में लगाए गए 37 अग्निशामक यंत्रों को पुनः भरने हेतु 48,313 रुपये खर्च किए गए।
- ✍ 50,900 रुपये पुस्तकालय में ई–पत्रिकाओं के लिए Inflibnet लिंक (वार्षिक अंशदान) प्राप्त करने हेतु व्यय किए गए।
- ✍ इंडोर स्टेडियम में पार्किंग हेतु सड़क निर्माण पर 2,37,230 रुपये खर्च किए गए।
- ✍ **रूसा के तहत अधोलिखित कार्य किए गए –**

क) कन्या छात्रावास तथा बाल छात्रावास के लिए सेप्टिक टैंक के निर्माण हेतु 50,200 रुपये खर्च किए गए।

ख) 8,20,400 रुपये सुरक्षा कर्मियों के लिए, तीन कक्षों के निर्माण हेतु व्यय किए गए।

ग) महाविद्यालय के मंच के लिए आवरण सायबन (Cover Shed) बनाने हेतु पी. डब्ल्यू. डी. को 15,15,140 रुपये का आकलन भेजा जा चुका है तथा शीघ्र ही निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

- ✍ वर्ष 2020–2021 के सत्र में रूसा के तहत 1 करोड़ रुपये का अनुदान महाविद्यालय को स्वीकृत हुआ है।

भावी अपेक्षाएं :-

1 महाविद्यालय में एक सभागार का निर्माण अपेक्षित है।

2 व्याख्यान प्रेक्षागृह परिसर (Lecture Theater Complex) के निर्माण की अपेक्षा है।

3 महाविद्यालय में नई कैंटीन, कन्या साझा कक्ष (Girls Common Room) तथा एक हॉल का निर्माण अपेक्षित हैं।

4 आधुनिकीकरण की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए महाविद्यालय में पाँच, स्मार्ट क्लास रूम्ज़ की आवश्यकता है।

5 विद्यार्थियों की वाक प्रतिभा को निखारने के लिए एक भाषा प्रयोगशाला (Language Lab) का निर्माण इच्छित है।

6 परिसर सौंद्रर्यीकरण के उद्देश्य से महाविद्यालय के मुख्य द्वार के पास भूनिर्माण (Land Scaping) करवाना चाहते हैं। जिसके लिए 15 लाख का आकलन पी.डब्ल्यू.डी. से बनवाया है।

7 बैंकिंग और फाइनेंस के क्षेत्र में विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु एक और पूरक पाठ्यक्रम (Add on course) संचालित करने की अपेक्षा है।

8 सेल्फ फाइनेंस कोर्स के लिए एक अलग भवन निर्माण की अपेक्षा है।

9 वर्तमान वाणिज्य विभाग का भवन स्नात्तक एवं स्नात्तकोतर कक्षाओं के लिए अपर्याप्त है अतः इसे बहुमंजिला बनाने की भी भावी अपेक्षा रखते हैं।

10 इंडोर स्टेड़ियम के लिए –

कुश्ती, जुड्डो मैट्स, भारोतोलन, मुक्केबाजी, जिमनेज़ियम, एथलैटिक्स के ऊंचीकूद के गद्दे आदि के लिए 30 लाख रुपये का आकलन निदेशक उच्च शिक्षा–विभाग को भेज दिया गया है।

दिनांक :

प्राचार्य

डॉ. अंजू बत्ता सहगल

रैगिंग एक कानूनी अपराध है।